भाग्यनारायण झा

भागयनारायण झा क जन्म दरभंगा जिलाक कारज गाममे भेल छलनि। हुनक जन्मतिथि 12 जनवरी 1941 ई0 अछि। ओ राजनीति शास्त्रमे एम. ए. ओ बी. एल. उत्तीर्ण छथि। पत्रकारिताकेँ ओ अपन जीवन-यापनक आधार बनौलनि। ओ दैनिक 'आर्यावर्त एवं हिन्दुस्तान' क अलावा 'दिनमान' सँ जुड़ल पत्रकार छलाह। आइ काल्हि ओ 'दैनिक जागरण' मे समीक्षक छथि।

हुनक सामाजिक नाटक 'मनोरथ' (1965 ई0), एकांकी संग्रह 'सोनक ममता' (1970 ई0) ओ यात्र वृत्तांत 'परदेश' (2008 ई0) प्रकाशित छनि। 'वैदेही' (दरभंगा) ओ 'मिथिला दर्शन' (कोलकाता) मे बहुत रास मैथिली आलेख सभ प्रकाशित अछि।

पटनाक सामाजिक ओ सांस्कृतिक संस्था 'चेतना समिति' सँ सम्बद्ध भऽ मैथिलीक प्रति समर्पित छथि। झाजी जर्मनी, फ्रांस, केनिया, मारीशस आदि देशसभक यात्रा कयने छथि।

'भारतीय संविधान निर्माता डा0 बी0 रा0 अम्बेदकर' मे हुनक जीवनवृत्त संक्षेपमे देल गेल अछि। अस्पृश्य जातिमे जन्म लेने हुनका ज्ञानार्जनक लेल अनेक तरहक संघर्ष करय पड़लनि। मुदा ओ देश-विदेशमे उच्चतम शिक्षा प्राप्त कयलनि। ओ अस्पृश्य समुदाय लेल 'हरिजन' शब्द के प्रति विरोध कयलनि एवं जातिप्रथाक कटु आलोचना कयलनि। अंतमे ओ बौद्धधर्म स्वीकार कऽ लेलनि । 1952 मे राज्यसभाक सदस्य मनोनीत भेलाह आ मृत्यु पर्यन्त ओहि पद पर रहलाह। आजादीक बाद ओ कांग्रेसनीत सरकारमे कानून मंत्री बनलाह। भारतीय संविधान लिखबाक भार भेटलनि। डा0 अम्बेदकरक व्यक्तित्व बहु आयामी छल।

भारतीय संविधान निर्माता डॉ० बी० आर० अंबेदकर

भारतीय संविधानक मुख्य निर्माता आ बाबा साहेबक नामसँ विख्यात डॉ. भीमराव रामजी अंबेदकरक जन्म 14 अप्रैल 1891 कँ तत्कालीन सेंट्रल प्रांत (आब मध्य प्रदेश) मे ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित शहर आ सैनिक छावनी मोहवामे हिन्दू महार जाति परिवारमे भेल छलनि। महार जाति अस्पृश्य बूझल जाइत रहैक। डा. अंबेदकर अपन पिता रामजी मालोजी आ माता भीमा बाई मुबादकरक चौदहम एवं अंतिम संतान रहथि। ओना तँ हुनक परिवारक पृष्ठभूमि आधुनिक महाराष्ट्रक रत्नागिरी जिलामे अंबेदकर शहर रहनि। अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि। प्रतिभासंपन्न डा. भीमराव अंबेदकरक पिता भारतीय सेनाक मोहवामे सुबेदारक पद धरि कार्यरत रहलाह। डा. अंबेदकरक पिता रामजी सकपाल अपन धीयापूताकेँ हिन्दू विषय पढ़बाक लेल प्रोत्साहित कयलनि। सकपाल साहेब धीयापूताकँ सरकारी स्कूलमे पढ़ेबाक प्रयासमे सफलता प्राप्त कयलनि, किएक तँ ओहि समयमे जातिक विरोध सेहो होइत रहैक। रामजी सकपाल जखन 1894 मे अवकाशग्रहण कयलनि तँ हुनक परिवार सतारा चल गेलनि। संयोग एहन जे भीमरावक माताक देहांत भऽ गेलनि। मात्र तीन पुत्र बलराम, आनन्द राव आ भीमराव एवं दू पुत्री – मंजुला आ तुलासामे सँ मात्र भीमराव परीक्षा सभमे सफलता प्राप्त कयलनि। आगू पढ़लनि। हुनक गामक नाम रहनि अंबेद। 'अंबेद' रत्नागिरी जिलामे रहैक। तँ हुनक (भीमराव) पिता सकपाल अपन गामक नाम पर एकटा ब्राह्मण शिक्षकक सलाह पर 'अंबेदकर' रखलनि।

जीवनमे उतार-चढ़ाव प्रकृतिक नियम छैक। ई बात अंबेदकरक संग सेहो घटित होइत अछि। हुनक पिता रामजी सकपाल 1898 मे पुनः विवाह कयलनि। हुनक परिवार तखन बम्बई (आब मुंबई) मे रहय लागल। भीमराव बम्बईक एलीफिंस्टन रोडक समीप सरकारी उच्च विद्यालयमे पहिल अस्पृश्य विद्यार्थी रहथि। 1907 मे भीमराव अपन अद्‌भुत प्रतिभाक परिचय देलनि आ ओ बम्बई विश्वविद्यालयसँ मैट्रिक परीक्षोत्तीर्ण भेलाह। ओ पहिल अस्पृश्य युवक रहथि जे भारतक कालेजमे दाखिल भेलाह। ओही समयमे हुनक विवाह दपोलीक नौवर्षीय बालिका रामाबाई संग हिन्दू रीति-रिवाजसँ भऽ गेलनि।

हुनक संघर्षमय जीवनमे नव उत्साहक माहौल बनलनि। 1908 मे भीमराव एलफिंस्टन कालेजमे नाम लिखौलनि आ हुनका बड़ौदाक गायकवाड शासकसँ पच्चीस टाकाक छात्रवृत्ति

प्रतिमाह भेटय लगलनि। एतबे नहि, बड़ौदाक गायकवाड शासक, सहयाजी राव तृतीय हुनका संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षामे अध्ययन करबाक लेल छात्रवृत्तिक व्यवस्था सेहो कऽ देलखिन। कहलो जाइत छैक जे ''जखन नीक दिन अबैत छैक तँ माटि छुलासँ सोन भऽ जाइत छैक आ अधालाह दिनमे सोन छुलो सँ माटि।'' ई प्रकृतिक यथार्थताक बोध करबैत अछि।

प्रतिभावान अंबेदकर 1912 मे अर्थशास्त्र आ राजनीतिमे डिग्री हासिल कयलनि। तदुपरांत, बड़ौदा स्टेटमे नौकरी करबाक ओ तैयारी करथि कि ओही वर्षमे हुनक पत्नी यशवंत नामक पुत्रकँ जन्म देलनि। प्रकृतिक विधान पर ककरो अंकुश नहि। अंबेदकर अपन परिवारकँ व्यवस्थित कर' चाहैत रहथि आ कि हुनक बीमार पिताक देहावसान 2 फरवरी 1912 कँ भऽ गेलनि। किछु मासक उपरांत, भीमरावक जीवनमे फेर नव अध्याय शुरू भऽ गेलनि । हुनका गायकवाड शासक प्रतिमाह साढ़े एगारह डालरक छात्रवृत्ति अमेरिकाक कोर्लबिया विश्वविद्यालयमे पढ़बाक लेल मंजूरी देलनि। न्यूयार्क सिटी (अमेरिका) मे पहुंचला पर ओ राजनीति विज्ञान विभागमे स्नातक अध्ययन कार्यक्रममे दाखिला लेलनि। किछु दिन धरि 'डारमेटरी' मे रहलनि। 'डारमेटरी' भारतीय विद्यार्थी सभ मिलि-जुलिक' चलबैत रहथि। एकर बाद ओ पारसी मित्र नवल भथेनाक संग फराक घरमे रहय लगलाह। हुनका 1916 मे पीएच. डीक उपाधि भेटलनि। 'डाक्टेरेट' डिग्री प्राप्त भेलाक उपरांत, भीमराव लंदन चलि गेलाह आ ओ लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्समे लॉ (कानून) पढ़य लगलाह आ अर्थशास्त्र विषयमे डाक्टेरेट हेतु तैयारी करय लगलाह। संयोग एहन जे हुनक छात्रवृत्ति भेटक अवधि समाप्त भऽ रहल छलनि आ ओ अध्ययन बीचमे छोड़ि, प्रथम विश्व युद्ध 1914 क समयमे भारत वापस भऽ गेलाह।

लंदनसँ वापस भेला पर ओ बड़ौदा स्टेटमे सैनिक सचिवक पद पर कार्य करऽ लगलाह। हुनका ओहि पद पर मोन नहि लगलनि। ट्यूशन करय लगलाह। लेखाक कार्य शुरू कयल। एतबे नहि, व्यावसायिक परामर्शक कार्य प्रारंभ कयलनि, किन्तु ओहूमे ओ असफल रहलाह। जीवनक एहि उत्थान-पतनमे, बम्बईक पूर्व गवर्नर लार्ड सिडेहमक मदतिसँ ओ मुंबईक सिडेहम कालेज ऑफ कामर्स एण्ड इकोनोमिक्समे राजनीतिक शास्त्रक प्रोफेसरक पद प्राप्त करयमे कामयाब भेलाह। 1920 मे कोल्हापुर महाराजा आ अपन बचतसँ ओ पुनः इंग्लैंड गेलाह। 1923 मे भीमराव 'टाकाक समस्या' (द प्रोबलेम आफ द रूपी) शोध-निबंध पर लंदन विश्वविद्यालयसँ डी-एस सीक उपाधि प्राप्त कयलाह। लॉ (कानून) पढ़ाई पूरा कयला पर ओ ब्रिटेन (लंदन) मे बैरिस्टरक रूपमे भर्ती भेलाह। लंदनसँ वापस होमक क्रममे ओ जर्मनीमे तीन मास बितौलनि आ ओ बॉन (जर्मनी)

• विश्वविद्यालयमे अर्थशास्त्र विषयक विशेष अध्ययन कयलनि। 8 जून 1927 कँ हुनका कोलंबिया विश्वविद्यालयसँ पीएच. डीक उपाधि सेहो प्राप्त भेलनि।

डा. अंबेदकर 1935 मे गवर्नमेंट लॉ कालेजमे प्रिंसिपल नियुक्त भेलाह, जे ओ ओहि पद पर दू वर्ष धरि रहलाह। मुंबईमे ओ एकटा पैघ घर बनौलनि आ व्यक्तिगत पुस्तकालयमे पचास हजारसँ बेसी पुस्तकक संग्रह कयलनि। पीड़ा वेदना हुनका पाछू लगले रहनि। पत्नी रामाबाईक देहावसान ओही वर्षमे भऽ गेलनि। 1936 मे ओ इंडिपेंडेंट (स्वतंत्र) लेवर पार्टीक स्थापना कयनलि, आ ई पार्टी 1937क सेंट्रल लेजीसलेटिव एसेम्बली (केन्द्रीय विधाई विधानसभा) चुनावमे पन्द्रह सीट पर कब्जा जमौलक। ओही वर्षमे ओ जातिक समाप्ति (एनीहिलेशन ऑफ कास्ट) नामक पुस्तकक प्रकाशन करौलनि। ओ अपन पुस्तकमे हिन्दू धार्मिक नेताक आ जातिप्रथाक कटु आलोचना कयलनि। क्रांतिकारी स्वभावक डा. भीमराव अस्पृश्य समुदाय 'हरिजन' नाम पर विरोध प्रकट कयलनि। गांधीजी एहि समुदायक नाम हरिजन रखने छलाह। ओ रक्षा सलाहकार समिति आ वाइसरायक कार्यकारिणी परिषदक सदस्य 'लेवर मिनिस्टर' (श्रममंत्री) क रूपमे रहल छलाह।

ओ 1941 सँ 1945 क बीच कतेको विवादास्पद पुस्तक सभक प्रकाशन करौलनि, जाहिमे पाकिस्तान पर विचार (थाट्स आन पाकिस्तान) सम्मिलित अछि। भीमराव एहि पुस्तकक माध्यमसँ पाकिस्तानमे पृथक मुस्लिम देश बनेबाक मुस्लिम लीगक मांगकँ जोरदार ढंगसँ आलोचना कयलनि।

15 अगस्त 1947 कँ जखन भारत स्वतंत्र भेल तँ डा. अंबेदकर कांग्रेसनीत सरकारमे प्रथम लॉ (कानून) मंत्रीक कार्यभार ग्रहण कयलनि। 29 अगस्तकँ डा. अम्बेदकर भारतीय संविधान प्रारूप कमिटीक चेयरमैन नियुक्त भेलाह। हुनका ई भार देल गेलनि जे ओ स्वतंत्र भारतक नव संविधान लिखथि। भारतीय संविधानक प्रारूप तैयार करयमे हुनका अपन सहयोगी लोकनि आ समकालीन पर्यवेक्षक लोकनिक सभक प्रशंसा प्राप्त भेलनि। संविधान सभामे 26 नवम्बर 1949 कँ संविधानक स्वीकृति भेटि गेलैक, मुदा 1951 मे हिन्दु कोड बिल संसदमे स्वीकृत नहि भेलाक कारणँ ओ मंत्रिमंडलसँ त्याग-पत्र दऽ देलनि।

सिद्धांतवादी डा. अंबेदकर 1952क लोकसभा चुनावमे निर्दलीय प्रत्याशीक रूपमे चुनाव लड़लनि, किन्तु ओ चुनावमे पराजित भऽ गेलाह। तदुपरांत, ओ मार्च 1952 मे राज्यसभाक सदस्य मनोनीत भेलाह जे ओ मृत्युपर्यंत रहलाह।

-4B

चमत्कारिक व्यक्तित्ववला बाबा साहेब सामाजिक रूढ़िवादिताक विरोधमे दलित बौद्ध आंदोलनक शुरुआत कयलनि आ एहि क्रममे ओ 1950 श्रीलंका (तत्कालीन सिलौन) मे आयोजित बौद्ध विद्वान एवं संत सभक सम्मेलनमे सम्मिलित भेलाह। बौद्ध धर्ममे परिवर्तनक एकटा योजना बनौलनि, तकरा लेल ओ 1954 मे दू बेर बर्मा गेलाह। रंगूनमे आयोजित तृतीय विश्व फेलोशिप बौद्ध सम्मेलनमे भाग लेलनि आ ओ 1955 मे भारतीय बौद्ध महासभाक गठन कयलनि, जकरा ओ 14 अक्टूबर 1956 मे भारतीय बौद्ध सोसाइटीमे परिवर्त्तित कयलनि। तत्कालीन समाजमे व्याप्त अस्पृश्यता एवं सामाजिक भेदभावक विरोधमे जनजागरण करबामे हुनक महत्वपूर्ण भूमिका रहलनि।

जाज्वल्यमान नक्षत्र भीमरावक पहिल पत्नीक देहावसानक उपरांत, दोसर विवाह सवितासँ कयलनि। हुनक पत्नीक नाम विवाहसँ पूर्व, शारदा कबीर रहनि, जे जन्मसँ ब्राह्मण छलीह, मुदा ओ बौद्ध धर्म स्वीकार क' लेने रहथि। मधुमेहसँ पीड़ित डा. अंबेदकर जूनसँ अक्टूबर 1954 धरि बिछावन पकड़ने रहलाह आ अंतत: हुनक निधन 6 दिसम्बर 1956 कँ दिल्लीमे भऽ गेलनि आ दाह-संस्कार बौद्ध रीति-रिवाजसँ 7 दिसम्बर 1956 कँ चौपाटी (मुंबई) मे संपन्न भेलनि। अंबेदकर स्मारक हुनक दिल्ली स्थित अलीपुर रोडमे स्थापित कयल गेल आ हुनक जन्म तिथि 14 अप्रैलकँ सार्वजनिक अवकाशक संग अंबेदकर जयंतीक रूपमे मनाओल जाइछ। वरदपुत्र आ कुशाग्र बुद्धिक डा. अंबेदकरकँ 1990 मे मरणोपरांत, भारतक सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारतरत्न' सँ सम्मानित कयल गेल। 'भारतरत्न' सम्मान डा. भीमराव अंबेदकरकँ मुइलाक करीब तैंतीस वर्षक उपरान्त सम्मानपूर्वक देल गेल, जे एकटा इतिहास छैक।

प्रगतिशीलता आ सामाजिक जागरूकताक प्रतीक डा. भीमराव अंबेदकरक विषयमे ई पाँती सटीक अछि :

'लीक-लीक गाड़ी चलय

लीकी चलय कपूत

लीक छाड़ि, तीनू चलय

शायर, सिंह, सपूत'

संघर्षमय जीवनसँ अर्जित उपलब्धि, ख्याति, यश, सम्मान आ प्रतिष्ठा चिर-अवधि धरि

चिरस्मरणीय रहैत अछि आ ई कथ्य महान विधिवेत्ता आ 'भारतरत्न' डा. भीमराव अंबेदकर संग घटित होइछ।

बहुआयामी व्यक्तित्वक डा. अंबेदकर स्वतंत्र भारतक शान-मान-आन रहथि। ओना हुनक दैहिक शरीर 6 दिसम्बर 1956 कें पंचतत्वमे भ' गेलनि, मुदा हुनक कीर्ति, पराक्रम, मेधा आ स्थापित मान्यता भारतक जनमानसमे विद्यमान अछि आ युग-युग धरि बनल रहत। तैं तँ कहल जाइछ जे 'यशस्वी स: जीवति।'

शब्दार्थ

अस्पृश्यः	–	अछूत
अंकुशः	–	नियंत्रण
ट्यूशन	–	खानगी पढ़ाई
रूढ़िवादिता	–	परम्परावादी
वरदपुत्र आ कुशाग्र	–	सरस्वतीपुत्र या मेधावी
चिरस्मरणीय	–	वेशी दिन धरि, स्मरणीय
जनमानस	–	जनताक मान

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

(i) 'भारतीय संविधान निर्माता डा. बी. आर. अंबेदकर' क रचयिता छथि।

(क) भाग्यनारायण झा (ख) तारानन्द वियोगी

(ग) अशोक (घ) उमाकान्त

(ii) भाग्यनारायण झाक रचना अछि।

(क) क्रैक

(ख) भारतीय संविधान निर्माता डा. बी. आर. अंबेदकर

(ग) भोजन

(घ) चन्द्रमुखी

4A

रिक्त स्थानक पूर्त्ति करू -

(i) जीवनमे उतार-चढ़ाव .... नियम छैक।

(ii) महार जाति .... बूझल जाइत रहैक।

(iii) प्रतिभावान अंबेदकर 1912मे अर्थशास्त्र आ .... मे डिग्री हासिल कयलनि।

शुद्ध-अशुद्धकेँ चिह्नित करू -

(i) अंबेदकर वंशज दीर्घ अवधि धरि ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनीक सेनामे कार्यरत रहथि।

(ii) हुनक गामक नाम रहनि अहमदनगर।

(iii) हुनका 1916 ई0 मे पीएच. डी. उपाधि भेटलनि।

(iv) 1952 के लोकसभा चुनावमे ओ विजयी भेलाह।

(v) हुनक निधन 1960मे भऽ गेलनि।

2. लघूत्तरीय प्रश्न -

(i) डॉ. अंबेदकरक जन्म कहिया आ कतऽ भेलनि ?

(ii) भीमरावसँ भीमराव अंबेदकर कोना भेलाह ?

(iii) संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे उच्च शिक्षा अध्ययन हेतु के हुनका छात्रवृतिक व्यवस्था कयने छलाह ?

(iv) पीएच. डीक उपाधि हुनका कहिया भेटलनि ?

(v) डॉ. अंबेदकर संविधान प्रारूप कमिटीक चेयरमैन कहिया नियुक्त कयल गेलाह ?

3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न -

(i) डॉ. भीमराव अंबेदकरक जीवनी संक्षेपमे लिखू।

(ii) पठित पाठक आधार पर डॉ. अंबेदकर जीवनीक वर्णन करू।

(iii) डॉ. अंबेदकर प्रतिभाक संबंधमे अपन विचार व्यक्त करू।

(iv) भारतक संविधान निर्माणमे हिनक भूमिकाक वर्णन करू।

(v) बौद्ध धर्मक प्रति हिनक आस्था केहन छल ? ओकर प्रभाव हिनका पर केहन पड़ल ?

4. निम्न पाँतीक सप्रसंग व्याख्या करू:

(i) 'लीक-लीक गाड़ी चलय
लीकी चलय कपूत
लीक छाड़ि, तीनू चलय
शायर, सिंह, सपूत'

(ii) 'यशस्वी स: जीवति '

गतिविधि-

(i) भारतक सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारतरत्न' सँ सम्मानित अंबेदकरक अतिरिक्त आन सम्मानित लोकनिक सूची बनाउ आ हुनका लोकनिक योगदानक सन्दर्भमे वर्गमे विचार-विमर्श करू।

(ii) छात्र वर्गमे अंबेदकर प्रसंग आन-आन रचनाक वाद-विवाद क्वीज प्रतियोगिता आयोजित करथि।

(iii) छात्र वर्गमे अंबेदकर जीवनसँ सम्बन्धित एकांकीक मंथन करथि।

(iv) छात्र विद्यालयमे अंबेदकर जयंती पर अंबेदकरक विभिन्न आयाम पर सेमिनार आयोजित करथि।

निर्देश-

(i) शिक्षकसँ अपेक्षा जे डॉ. अंबेदकरक संगहि आनो महापुरुषक जीवनक प्रेरक प्रसंगसँ छात्रकेँ परिचित कराबथि।

(i) शिक्षक छात्रकेँ डा. अंबेदकर जीवनसँ प्रेरित भऽ जीवनमे सीख लेबाक हेतु अनुप्राणित करथि।

(iii) विद्यालयक समारोहक अवसर पर शिक्षकसँ अपेक्षा जे अंबेदकरक जीवनसँ संबंधित फोटो प्रर्दशनी आयोजित करथि।